

प्रश्नों के उत्तर दें—

● मौखिक (Oral)

- i) कवि सोए हुए आदमी को जगाने के लिए कह रहा है।
- ii) सोया हुआ आदमी सच से बेखबर है।

iii) क. भई सूरज,
जरा इस आदमी को जगाओ।
भई पवन,
जरा इस आदमी को हिलाओ!

यह आदमी जो सोया पड़ा है,
जो सच से बेखबर
सपनों में खोया पड़ा है!
भई पंछी,
इसके कानों पर चिल्लाओ!

ख. क्षिप्र तो वह है,
जो सही क्षण में सजग है।

• बच्चे स्वयं पढ़ें।

● लिखित (Written)

- आदमी को जगाओ का अर्थ है— आदमी को वक्त का पाबंद बनाना, सपनों से निकालकर वास्तविकता का ज्ञान कराना।
- जीवन की सच्चाइयों से दूर रहनेवाला व्यक्ति सपनों में खोया पड़ा है।
- बेवक्त जगाने पर व्यक्ति पीछे रह जाता है।
- इस कविता से समय का पाबंद होने और वास्तविकता का ज्ञान रखने का संदेश मिलता है।

व्याकरण-बोध

1. दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद करें—

सूरज — ...स्... + ...ऊ... + ...र्... + ...अ... + ...ज्... + ...अ...
 आदमी — ...आ... + ...द्... + ...अ... + ...म्... + ...ई...
 जगाओ — ...ज्... + ...अ... + ...ग्... + ...आ... + ...ओ...
 गति — ...ग्... + ...अ... + ...त्... + ...इ...

2. निम्नलिखित शब्दों में 'बे' उपसर्ग लगाकर लिखें—

कसूर — ...बेकसूर... धड़क — ...बेधड़क...
 कार — ...बेकार... वक्त — ...बेवक्त...

3. दिए गए शब्दों में से संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया शब्दों को अलग करके लिखें—

सूरज, जगाओ, हिलाओ, वह, सपना, वे, आदमी, भागेगा, हम

संज्ञा	सर्वनाम	क्रिया
...सूरज...	...वह...	...जगाओ...
...सपना...	...वे...	...हिलाओ...
...आदमी...	...हम...	...भागेगा...

4. दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप लिखें—

बाखबर — ...बेखबर... मंजील — ...मंजिल... साजग — ...सजग...
 आंधी — ...आँधी... पँछी — ...पंछी... शूरज — ...सूरज...